NCERT SOLUTIONS

CLASS - 11th



aglasem.com

Class : 11th

Subject : Political science

Chapter : 10

Chapter Name : विकास

Q1 आप 'विकास' से क्या समझते हैं? क्या 'विकास' की प्रसिद्ध परिभाषा से समाज की सभी वर्गों को लाभ होता है?

Answer. यदि आम भाषा में विकास को परिभाषित किया जाए तो हम बड़ी इमारतें, कांच के आलीशान भवन, महंगी गाड़ियां खरीदने की क्षमता को विकास कह सकते हैं, परंतु व्यापक व सही मायनों में विकास शब्द उन्नति, प्रगति, कल्याण और बेहतर जीवन जैसे विचारों का वाहक है। विकास अनेक तरह का हो सकता है यथा- आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, शारीरिक विकास इत्यादि।
हम यह कदापि नहीं कह सकते कि विकास की प्रचलित परिभाषा से सभी वर्गों को लाभ पहुंचता है। इसे हम एक उदाहरण द्वारा समझ सकते हैं। एक शहर में पेयजल और सिंचाई व्यवस्था सुधारने के लिए बांध बनाने का प्रस्ताव रखा जाता है। व्यापक तौर पर शहर वालों के लिए यह विकास का काम है और उन्हें लाभ भी मिलेगा परंतु बांध के चपेट क्षेत्र में जो गांव के लोग विस्थापित होंगे उनके लिए यह बांध दूर-दूर तक विकास नहीं लगता। अतः यह सही है कि विकास सभी वर्ग के लोगों को लाभ नहीं पहुंचाता है।

Page : 152 , Block Name : प्रश्नावली

Q2 जिस तरह का विकास अधिकतर देशों में अपनाया जा रहा है उससे पड़ने वाले सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों की चर्चा कीजिए।

Answer. अक्सर विकसित व विकासशील देश पश्चिमी या विकसित देशों का विकास मॉडल अपनाते हैं। यह प्रक्रिया उतनी कारगर सिद्ध नहीं होती जितना सोचा जाता है। इस तरह के विकास से देश के समाज व पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है।
जल्दबाजी में अपनाया गया विकास मॉडल देश की सामाजिक संरचना को उलट-पुलट कर देता है। बड़े उद्योगों, कारखानों की स्थापना से खेतिहर मजदूरों, किसानों व ग्रामीण समुदायों को अपनी जमीन को छोड़ कर जाना पड़ता है। अमीर व गरीब में अंतर बढ़ता जाता है।

अल्पकालिक विकास के चलते पर्यावरण व प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होने लगता है। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन से मौसमी चक्र बाधित होता है, तापमान बढ़ने के कारण बर्फ पिघलने लगती है जिससे अनेक शहर जल्द ही डूब जाने की कगार पर आ चुके हैं। वायु प्रदूषण खतरे के निशान से भी ज्यादा हो चुका है।
अतः विकास को दूसरे देश से नकल के तौर पर न लेकर स्थानीय ज़रूरतों और परिस्थितियों को देखकर व सोच समझकर किया जाना चाहिए। दीर्घकालिक विकास आज के समय की आवश्यकता भी है।

Page : 152 , Block Name : प्रश्नावली

Q3 विकास की प्रक्रिया ने किन नए अधिकारों के दावों को जन्म दिया है?

Answer. असतत विकास के कारण सामाजिक संरचना में बदलाव आ गया है। अमीर और अमीर तथा गरीब और गरीब बनते जा रहे हैं। विस्थापित लोग, आदिवासी तथा अकिंचन समुदाय अपने अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने लगे हैं, क्योंकि इस विकास की सबसे भारी कीमत वही चुकाते हैं। विकास की इसी प्रक्रिया ने नए अधिकारों के दावों को जन्म दिया है।
अब यह मांग उठने लगी है कि विकास से जुड़ी योजनाओं में उन सभी को भागीदारी का अधिकार होना चाहिए जो उस विकास से आहत होंगे। लोकतांत्रिक देशों में यह अधिकार होना चाहिए कि विकास लोगों की सहमति से हो।
अन्य मांग प्राकृतिक संसाधनों के अधिकार की है। आदिवासी समुदाय प्रकृति के सबसे पास होते हैं तथा प्राकृतिक संसाधनों पर उनका नैसर्गिक अधिकार होता है, जो विकास की योजनाओं के चलते बाधित होता है।
अतः हम कह सकते हैं कि विकास कार्यों में संबंधित समुदायों के अधिकारों को ध्यान में रखा जाना चाहिए ताकि विकास का लाभ सभी तक समान रूप से पहुंच सके।

Page : 152 , Block Name : प्रश्नावली

Q4 विकास के बारे में निर्णय सामान्य हित को बढ़ावा देने के लिए किए जाएं, यह सुनिश्चित करने में अन्य प्रकार की सरकार की अपेक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्था के क्या लाभ हैं?

Answer. किसी देश की राज्य व्यवस्था वहां के विकास को प्रभावित करती है। एक तानाशाही राजव्यवस्था में विकास कार्य थोपा जाता है तथा जनता की राय मायने नहीं रखती है। इस तरह के विकास से शायद ही जनता खुश रहती होगी। अतः यदि जनता के हित को विकास में शामिल करना है तो लोकतांत्रिक व्यवस्था ही सर्वश्रेष्ठ होती है।

लोकतंत्र और विकास दोनों ही जनता की बेहतरी का लक्ष्य रखते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता विकास कार्य में भागीदार बन सकती है। भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था विकेंद्रीकृत राज्यव्यवस्था में भी दिखती है, जहां स्थानीय लोग अपने गांव की जरूरतों के हिसाब से विकास करने का निर्णय ले सकते हैं। इस तरह के विकास में लोगों का परामर्श लिया जाता है तथा काफी विचार-विमर्श के बाद अनेक फेरबदल करके विकास कार्यों का कार्यान्वयन किया जाता है।
इस प्रकार विकास के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था अन्य प्रकार की सरकारें यथा राजशाही, धर्मतांत्रिक की अपेक्षा अधिक सफल और लाभकारी होती हैं।

Page : 152 , Block Name : प्रश्नावली

Q5 विकास से होने वाली सामाजिक और पर्यावरणीय क्षति के प्रति सरकार को जवाबदेह बनवाने में लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन कितने सफल रहे हैं?

Answer. जैसा कि हम जानते हैं कि विकास के चलते सामाजिक व पर्यावरणीय क्षति भी होती है। सरकारों को इसके प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए अनेक आंदोलन होते रहते हैं।
इन आंदोलनों से भले ही अमुक विकास कार्य रद्द न होते हों, परंतु ऐसे संघर्ष और आंदोलन सरकार को समाज के अधिकाधिक हितों की रक्षा व प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए सचेत अवश्य करते हैं।
आंदोलनों की मांगों के चलते आम जन समुदाय अपने अधिकारों के प्रति सजग बनता है। वह सरकार से अपने नैसर्गिक संसाधनों व ज़मीन के प्रति जवाबदेही मांगता है।
चाहे भारत में चिपको आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन की बात हो या नाइजीरिया के 'मूवमेंट फॉर सर्वाइवल ऑफ ओगोनी पीपल' की बात हो, अंधाधुंध विकास के खिलाफ आवाज उठाने वाला हर आंदोलन किसी न किसी स्तर पर सफल रहा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए दीर्घकालिक और विवेकपूर्ण विकास की नींव रखता गया।

Page : 152 , Block Name : प्रश्नावली